ग्रामीणों की शिकायत पर राज्य व जिला स्तरीय चिकित्सा टीम जांच के लिये नगर गांव पहुंची

जांच में बुखार से पांच मौतें होने की जानकारी मिली, ग्रामीणों द्वारा मौत के बताये आंकड़ों पर असंतोष जताया

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के नगर गांव में मौसमी बीमारियों के बढ़ते प्रकोप से भयभीत ग्रामीणों द्वारा मालपुरा एसडीएम से शिकायत कर समस्या निस्तारण की मांग के बाद शनिवार को चिकित्सा विभाग के जोन डायरेक्टर ग्रामीण डॉ. एमपी जैन के निर्देशन में नगर पहुंची राज्य व जिला स्तरीय स्वास्थ्य टीम की जांच में बीते दो महिने में महज बुखार से पांच जनों की मौत होना सामने आया, जबकि ग्रामीणों ने शिकायत में 40 से अधिक लोगों की मौत डेंगु बुखार से होने की दी गई थी, जिस पर जांच टीम ने असंतोष जताया।

खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव चौधरी ने बताया कि नगर गांव के ग्रामीणों द्वारा दो दिन पूर्व मालपुरा एसडीएम को पत्र प्रेषित कर गांव में मौसमी बीमारियां तीव्र गति से बढ़ने तथा 40 से अधिक लोगों की मौत होने की जानकारी दी। इस पर एसडीएम मालपुरा ने तत्काल पंचायत समिति विकास अधिकारी व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को पत्र प्रेषित कर मामले की जांच व लोगों के स्वास्थ्य की जांच के निर्देश दिये थे। जिस पर मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र की चिकित्सा विभाग की टीमों ने डोर टू डोर पहुंच गांव के 882 घरों में सर्वे कर लोगों के स्वास्थ्य की जानकारी जुटाते हुये रिपोर्ट जिला व प्रदेश कार्यालय को भेजी गई।

नगर गांव में पहुंची प्रदेश व जिला स्तरीय स्वास्थ्य टीम ने डोर टू डोर सर्वे किया।

प्रदेश स्तरीय अधिकारियों ने मौसमी बीमारियों के प्रकोप बढ़ने की सूचना व इतनी बड़ी संख्या में मौतें होने के आंकड़े को गंभीरता से लेते हुये शनिवार को जोन डायरेक्टर ग्रामीण हैल्थ डॉ. एसपी जैन, स्टेट प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर चैनरूप सोनी, ईआईएस अधिकारी डॉ. अमित सोनी के साथ जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मेहबूब खान, बीसीएमओ डॉ. संजीव चौधरी, बीसीएमओ कार्यालय एसटीए मुजाहिद टीम के साथ नगर पहुंच मौसमी बीमारियों की चपेट में आये लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर ब्लड के सैम्पल लिये। गांव में डोर टू डोर सर्वे व ग्रामीणों की सूचना सहित विभागीय जांच में सामने आया कि अगस्त व सितम्बर दो माह में नगर गांव में कुल 22 लोगो की मौत हुई है, जिनमें 4 सड़क दुर्घटना से तो महज पांच जने वायरल बुखार की चपेट मे आने से मौत हुई, तो अन्य मौतें अन्य कारणों से होना सामने आया।

- **नगर के ग्रामीणों ने 40 से अधिक लोगों की मौत डेंगु बुखार से होने की शिकायत दी थी**

ग्रामीणों द्वारा बताये मौत के आंकड़ों की जांच में पुष्टि नहीं होने पर राज्य व जिला स्तरीय जांच दल ने असंतोष जताया। गांव में जगह-जगह जमा बरसाती व सिवरेज के पानी की निकासी तथा गली-मौहल्लों में सफाई के साथ-साथ मकानों की छतों पर रखी पानी की टंकियों एवं पानी के स्टोरेज टैंकों आदि की सफाई के लिये ग्राम पंचायत एवं ग्रामीणों को समझाइश करते हुये गांव में फोगिंग भी करवाई गई।

ऐहतिहात के तौर पर मौसमी बीमारी के लक्षणों की जकड मे आये लोगों की निगरानी के लिये विभाग ने टीम का गठन किया, जो लगातार गांव में मॉनिटरिंग की। गांव के कुछ लोगों द्वारा मौसमी बीमारियों के मौत के आंकड़े की गलत सूचना वायरल कर देने से विभाग को मशक्कत करनी पड़ी। हालांकि कुछ हद तक चिकित्सा विभाग व ग्राम पंचायत प्रशासन की लापरवाही भी सामने आई है।

श्रीगंगानगर में हिरण शिकार का मामला सामने आया

श्रीगंगानगर, (निसं)। वन क्षेत्र में वन्यजीवों के शिकार की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। गांव पदमपुरा के निकटवर्ती चक 6 एसएलडी के पास एक बार फिर हिरण शिकार का मामला सामने आया है। जो कि बीते डेढ़ माह में शिकार की तीसरी घटना है। उधर हिरण शिकार की घटना सामने के आने के बाद वन्यजीव प्रेमियों में रोष फैल गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे रेंजर पवन बिश्नोई को वन्यजीव प्रेमियों के आक्रोश का सामना करना पड़ा। काफी देर तक वन्यजीव प्रेमियों और रेंजर के बीच तीखी बहस हुई। इस दौरान वन्यजीव प्रेमियों ने रेंजर पर नशे में धुत्त होने का आरोप लगा डाला, जिसके बाद रेंजर ने खुद ही चिकित्सालय पहुंचकर अपना मेडिकल करवाया।

- **वन्यजीव प्रेमियों ने रेंजर पर नशे में होने का आरोप लगाया, रेंजर ने खुद ही चिकित्सालय में अपना मेडिकल करवाया**
- **वन्यजीव प्रेमियों के अनुसार हिरण का शिकार करने के बाद अज्ञात शिकारी मौके से फरार हुये**

ग्राम पंचायत पदमपुरा के निकटवर्ती चक 6 एसएलडी के पास एक हिरण के शिकार का मामला सामने आया। जिसको लेकर वन्यजीव प्रेमियों में रोष फैल गया। मौके पर देर रात सैंकड़ों वन्यजीव प्रेमियों व ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई। वन्यजीव प्रेमियों के अनुसार हिरण का शिकार करने के बाद अज्ञात शिकारी मौके से फरार हो गए। ग्रामीणों ने हिरण के शिकार की सूचना सूरतगढ़ वन विभाग के अधिकारियों को दी। जिस पर वन विभाग के रेंजर पवन बिश्नोई मौके पर पहुंचे और घटना स्थल की पड़ताल करते हुए मामले की जानकारी ली।

वन विभाग के रेंजर ने वन्यजीव प्रेमियों व ग्रामीणों से हिरण का पोस्टमार्टम करवाने के लिए आग्रह किया ताकि पता चल सके हिरण की मौत किस कारण से हुई है लेकिन मौके मौजूद वन्यजीव प्रेमी व ग्रामीण नहीं माने और उन्होंने इसे शिकार की घटना बताते हुए मौके पर ही पोस्टमार्टम करवाने की बात कही। इस मौके पर सुशील गोदारा, कानाराम, हरि बेनीवाल, संदीप, रामनिवास गोदारा, सतवीर गोदारा, संजयपाल आदि ने हिरण के शिकार का आरोप लगाते हुए वन विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाए। वन्यजीव प्रेमियों ने कहा कि लगातार हो रहे हिरण व अन्य वन्यजीवों के शिकार से वन्यजीव प्रेमियों में काफी रोष है। लेकिन वन विभाग के अधिकारी नहीं चेत रहे हैं। उधर सूचना मिलने के बाद सूरतगढ़ सिटी व राजियासर पुलिस सहित वन विभाग के उच्चाधिकारी भी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को शांत करवाने का प्रयास किया। मौके पर सैंकड़ों लोगों की भीड़ जुटी हुई थी। रेंजर पवन बिश्नोई ने बताया डॉक्टरों की टीम को घटनास्थल पर ही हिरण का पोस्टमार्टम किया जाएगा।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से नौ साल तक दुष्कर्म किया

अजमेर, (कासं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र में रहने वाली एक नाबलिग से नौ साल तक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पड़ोसी में रहने वाले युवक पर शादी का झांसा देकर उसके बालिग होने तक दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। आरोपी अजमेर डिस्कॉम में कार्यरत कर्मचारी है। पुलिस ने पोक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलवरगेट थाना प्रभारी श्यामसिंह चारण ने बताया कि एक पीड़िता ने अजमेर डिस्कॉम में कार्यरत कर्मचारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया कि वर्ष 2016 में 10वीं कक्षा में पढ़ती थी, ननिहाल के पड़ोस में रहने वाला युवक उससे हंसी मजाक करता था। जनवरी 2016 में पड़ोसी युवक उसके माता-पिता के निकलने के बाद घर पर आया और कहा कि वह उसके 10वीं बोर्ड के इंपोर्टेंट प्रश्न पेपर लेकर आया है, बाद में उसे पानी लाने के लिए भेज दिया।

पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि आरोपी उसे अपने साथ ले गया, जहां उसने कोल्ड ड्रिंक की बोतल पीने के लिए दी थी। आरोपी द्वारा दी गई कोल्ड ड्रिंक को पीने के बाद वह बेसुध हो गई। इसके बाद आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

बाद में उसे धमकी दी कि अगर रिश्तेदारों को बताया तो वह उसे बदनाम कर देगा। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2019 में वह नर्सिंग की पढ़ाई कर रही थी। तब भी आरोपी उसे ब्लैकमेल कर पुष्कर घुमाने ले गया, जहां उसने शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाए। आरोपी उसे लगातार ब्लैकमेल और झांसा देकर अप्रैल 2024 तक अपनी हवस का शिकार बनाता रहा।

कोटा बैराज के तीन गेट खोले

कोटा, (निसं)। कोटा बैराज के शनिवार को तीन गेट तीन-तीन फीट खोले गए हैं। 11313 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। ज्यादा पानी की आवक होने पर गेट और खोले जा सकते है। वर्तमान में जवाहर सागर बांध से पानी की आवक जारी है।

इस सीजन में कोटा बैराज की बात की जाए तो पानी निकासी के लिए सबसे ज्यादा 6 गेट खोले गए थे। इस सीजन में एक ही बार बैराज के 6 गेट सात सात फीट खोलकर पचास हजार क्यूसेक पानी की निकासी की गई थी। पठारी क्षेत्र में ज्यादा बारिश और एमपी के कैचमेंट एरिया में तेज बारिश के बाद चंबल में पानी की आवक बढ़ती है। जिसके बाद इस पर बने बांधों के गेट खोलकर पानी की निकासी की जाती है। मौसम की बात करें तो कोटा में पिछले एक सप्ताह से गर्मी का असर देखने को मिल रहा है। तेज गर्मी और उमस ने लोगों को बेहाल कर रखा है। शनिवार सुबह से मौसम में बदलाव हुआ है और धूप नहीं है, लेकिन बारिश नहीं होने से लोग परेशान है।

प्रदेश में करीब डेढ़ करोड़ छात्रों का विषेश प्रकार का कार्ड बनेगा

यह शैक्षणिक आईडी सरकारी स्कूलों के बच्चों के साथ ही निजी स्कूलों के विद्यार्थियों की भी बनेगी

बीकानेर, (निसं)। किस विद्यार्थी ने कौन से स्कूल में कितनी कक्षा तक पढ़ाई की है, इसके बाद वह किस राज्य अथवा किस स्कूल में अध्ययन करने के लिए गया है। बच्चे ने कब स्कूल छोड़ा या ड्रॉप आउट हुआ, ऐसी सभी जानकारियों के लिए अब किसी भी शिक्षक अथवा शाला स्टाफ को ज्यादा माथापच्ची नहीं करनी पड़ेगी। कप्यूटर पर एक क्लिक करके ही विद्यार्थी की शैक्षणिक यात्रा दिख जाएगी। इसके अलावा एक ऐसी आईडी भी बनाई जाएगी, जिससे विद्यार्थी स्वयं भी अपनी यात्रा को ट्रैक कर सकेगा।

यह शैक्षणिक आईडी न केवल सरकारी स्कूलों के बच्चों की, बल्कि निजी स्कूलों के विद्यार्थियों की भी बनेगी। स्कूल शिक्षा परिषद ने ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक एकाउंट रजिस्ट्री (अपार) पर काम शुरू कर दिया है। अपार के जरिए प्रदेश के सरकारी एवं निजी स्कूलों में अध्ययनरत एक करोड़ 64 लाख 20 हजार 447 विद्यार्थियों की 12 अंकों की आईडी बनाई जाएगी।

- **स्कूल शिक्षा परिषद ने ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक एकाउंट रजिस्ट्री (अपार) पर काम शुरू किया**

विद्यार्थी को एक डिजिटल फाइल ऑनलाइन अलॉट होगी, जिसका एक यूनिक नंबर होगा। फाइल में विद्यार्थी की फोटो सहित सभी प्रकार के एकेडमिक रिकॉर्ड्स, खेल गतिविधियां तथा अन्य जानकारी संकलित रह सकेगी। अपार नंबर यूनिक व परमानेंट रहेगा। इसे विद्यार्थी के आधार के साथ लिंक किया जाएगा। प्रत्येक छात्र की एक अद्वितीय और स्थाई 12-अंकीय आईडी बनाई जाएगी। यह छात्रों को रोजगार तक बेहतर पहुंच के लिए शैक्षणिक रिकॉर्ड आसानी से साझा करने में भी सहायक बनेगा। प्रदेश में 65,425 सरकारी स्कूल संचालित हो रहे हैं।

इसमें प्रारंभिक शिक्षा के 45,685 तथा माध्यमिक शिक्षा के 19,740 विद्यालय हैं। इन दोनों वर्गों के स्कूलों में 78 लाख 20 हजार 447 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इसमें प्रारंभिक शिक्षा के स्कूलों में 24,82,379 एवं माध्यमिक शिक्षा के स्कूलों में 53,38,068 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। जबकि निजी स्कूलों की संख्या 45 हजार है और इनमें करीब 86 लाख विद्यार्थी अध्यनयरत हैं।

नाबालिग विवाहिता के साथ दुष्कर्म करने का आरोप

सुजानगढ़, (नि.सं.)। 15 वर्षीय नाबालिग विवाहिता के साथ दुष्कर्म करने के आरोप का मामला सदर थाने में दर्ज हुआ है।

पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र के एक गांव की 15 वर्षीय नाबालिग विवाहिता ने रिपोर्ट में बताया है कि जुलाई 2021 में उसका विवाह हुआ था। उसका पति डेढ़ साल से इटली गया हुआ है तथा ससुर भी पिछले दस साल से विदेश में रहते हैं। रिपोर्ट में बताया कि सास ने घर पर अकेली होने के कारण मुझे ससुराल बुला लिया। जहां मैं एक निजी विद्यालय कक्षा दस में पढ़ाई करती हूं। रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया कि आरोपी रूपाराम कस्वा पुत्र मोहनलाल जाट का हमारे घर आना जाना है। 25 सितंबर को मेरी स्कूल बस निकल गई थी, मैं पैदल ही स्कूल जाने के लिए रवाना हुई। रास्ते में पीछे से रूपाराम अपनी कैंपर गाड़ी लेकर गांव के टाडा में आया और मुझे स्कूल छोडने की कह कर मुझे अपनी कैंपर गाड़ी में बैठा लिया। कैंपर को स्कूल के बजाय अपने घर की ओर ले जाने लगा तो मैने विरोध किया।वह जबरदस्ती मुझे अपने घर ले गया। मेरे विरोध करने पर उसने जान से मारने व गांव में बेइज्जती करने की धमकी देकर दो बार मेरे साथ खोटा काम किया। रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया कि रूपाराम ने जबरदस्ती दो घंटे मुझे अपने घर में रखा और उसके बाद स्कूल के सामने छोड़कर भाग गया। स्कूल पहुंचने पर स्कूल वालों ने मेरी सास को मेरे स्कूल आने की सूचना दी। जिस पर मेरी सास ने मेरे काका ससूर को स्कूल भेज कर मुझे घर बुलवा लिया। रूपाराम की धमकी के कारण मैने ससुराल में कोई जानकारी नहीं दी। उसके बाद मैं पीहर चली गई। जहां पर हिम्मत कर मैने मेरी मां को इस बारे में बताया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नहर में गिरी कार, पति बचा, पत्नी कार समेत डूबी

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर जिले के छतरगढ़ थाना इलाके में रात को एक कार इंदिरा गांधी नहर में गिर गई। कार में पति-पत्नी सवार थे। पति ने तैर कर अपनी जान बचाई। वहीं पत्नी व कार नहर में डूब गई, जिनकी तलाश की जा रही है।

छतरगढ़ पुलिस के अनुसार 660 आरडी सियासर पंचकोसा निवासी अनूप कुमार (28) पुत्र हरीराम धानका और उसकी पत्नी रेणु (26) शाम चार बजे के करीब शेरपुरा 465 पहुंचे थे। शेरपुरा से रात नौ बजे दोनों उसी कार में ढाणी 660 की ओर वापस लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि इस दरम्यान उनकी कार के सामने अचानक पशु आ जाने से कार अनियंत्रित हो गई और नहर में जा गिरी।

- **12 घंटे बाद कार तो मिल गई, लेकिन महिला का कोई सुराग नहीं मिला**
- **कार के सामने अचानक पशु आ जाने से अनियंत्रित हो गई और कार नहर में गिर गई**

अनूप के मुताबिक, उसने तैर कर अपनी जान बचाई और हादसे की सूचना परिजनों व पुलिस को दी। हालांकि कार सहित उसकी पत्नी रेणु पानी में डूब गई। हादसे की इत्तला मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन रात को अंधेरा होने से नहर में तलाश नहीं की जा सकी।

एसएचओ संदीप कुमार ने बताया कि सुबह 8 बजे से ही नहर में एसडीआरएफ टीम ने नहर में महिला व कार की तलाश शुरू की। घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर कार तो मिल गई, लेकिन महिला का कोई पता नहीं चला। पुलिस के मुताबिक घटनास्थल का जायजा लिया गया है। प्रथमदृष्ट्या साजिश की आशंका लग रही है। पुलिस हर पहलू पर बारीकी से जांच-पड़ताल कर रही है। महिला रेणु के पति अनूप से पुलिस पूछताछ कर रही है।

सांचोर जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर बाजार बंद रहे

सांचौर, (निसं)। सांचोर जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर शनिवार को चक्काजाम के तहत सम्पूर्ण बाजार बंद रहा। वहीं पिछले चार दिन से चल रहे सांचौर जिला संघर्ष समिति के तत्वावधान पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई, चितलवाना प्रधान प्रतिनिधि हिंदू सिंह विश्नोई, सूर्जनराम बिश्नोई की अनशन करने के कारण तबीयत बिगड़ गई। इस दौरान जिला कलेक्टर शक्तिसिंह ने धरना स्थल पर जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया।

- **पूर्व मंत्री सुखराम विश्नोई का अनशन चौथे दिन जिला कलेक्टर ने तुड़वाया**
- **छात्रों ने भी स्कूलों के बाहर रैली निकालकर विरोध-प्रदर्शन किया**

प्रदर्शन के दौरान पूर्व मंत्री सुखराम विश्नोई की तबीयत बिगडने पर कलेक्टर शक्तिसिंह ने अनशन तुड़वाया।

जानकारी के अनुसार पिछले साल अगस्त महीने में पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने 19 नए जिलों की घोषणा की थी। इनमें सांचौर भी था। ऐलान के बाद इलाके में खुशी की लहर दौड़ गई। विधानसभा चुनाव में गहलोत सरकार को हार का सामना करना पड़ा। भाजपा की सरकार आई। नए जिलों के रिव्यू के लिए उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा के संयोजन में कैबिनेट सब कमेटी बनाई गई। कहा जा रहा है कि नए बने छोटे जिलों पर संकट आ सकता है। ऐसे में सांचौर को जिला बनाए रखने की मांग को लेकर चार दिन से धरना-प्रदर्शन जारी है। शनिवार को प्रदर्शन का चौथा दिन रहा। संघर्ष समिति के आव्हान पर शहर पूरी तरह से बंद रहा। जिला मुख्यालय पर कलेक्ट्रेट के बाहर हजारों की संख्या में लोग धरने पर बैठे रहे। वहीं, पिछले चार दिन से अनशन पर बैठे 76 वर्षीय पूर्व राज्यमंत्री सुखराम बिश्नोई की मेडिकल जांच में कीटोन प्लस 3 पाया गया। ऐसे में धरने में मौजूद लोगों ने उनसे अपील की कि स्वास्थ्य को देखते हुए अनशन तोड़ देंवे, लेकिन धरना जारी रखा। इसके बाद शनिवार दोपहर तीन बजे कलेक्टर शक्ति सिंह ने पूर्व मंत्री सहित अन्य को जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया।

धरना स्थल नजर रखने के साथ ही हाईवे पर जाम की आशंका के मद्देनजर प्रशासन अलर्ट मोड पर है। मुख्य बाजार से लेकर छोटे-बड़े कस्बे, निजी अस्पताल और निजी स्कूलों से लेकर सरकारी स्कूलें भी बंद रही। छात्रों ने भी स्कूलों के बाहर और रैली निकालकर विरोध-प्रदर्शन किया। वहीं धरने के दौरान पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई सहित कई अन्य नेता और सामाजिक कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट के बाहर जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

जिला कलेक्टर शक्ति सिंह ने स्थिति पर निगरानी रखने के लिए दो कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं। वहीं सरपंच प्रेमा दवी के नेतृत्व में कई महिलाएं कृषि औजार लेकर कलेक्ट्रेट ज्ञापन देने पहुंची और प्रदर्शन किया और जिले को यथावत रखने की मांग की।

इस दौरान नर्मदा नेट के अध्यक्ष राव मोहन सिंह, भीखाराम सारण, व्यापार संघ के अध्यक्ष हर शीलू अमराराम माली, मनोहर सिंह पावरला, विजयपाल सिंह, सरपंच रायसिंह चौधरी, गोमाराम चौधरी ,छोगाराम चौधरी, पूर्व उपप्रधान दरगाराम देवासी, पीराराम देवासी, सुरेश कुमार माहेश्वरी सांचोर, भागीरथ राम बिश्नोई, आसुराम साहू सिवाडा, मांगीलाल सारण सरपंच प्रतिनिधि हरियाली शंकरलाल नैण सरवाना, किशनलाल, नरेश सेट सभापति नगरपरिषद सहित हजारों की संख्या में लोग धरने में मौजूद रहे।

केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर केकड़ी सम्पूर्ण बंद रहा

केकड़ी, (निसं.)। केकड़ी से जिले का दर्जा छिनने की अटकलो के बाद से केकड़ी क्षेत्र में लोगों की नाराजगी खुलकर सामने आ रही है। शनिवार को बार एसोसिएशन के आव्हान पर केकड़ी पूणर्तया बंद रहा। केकड़ी बंद को सभी व्यापारिक व सामाजिक संगठनों ने समर्थन दिया जिससे बंद का व्यापक असर देखा गया। बाजारों में सुबह से ही सन्नाटा पसरा नजर आया। बंद के चलते बाजार, प्रतिष्ठान और निजी शैक्षणिक संस्थान पूरी तरह से बंद रहे।

- **बार एसोसिएशन ने रविवार को भी केकड़ी बंद का आव्हान किया**

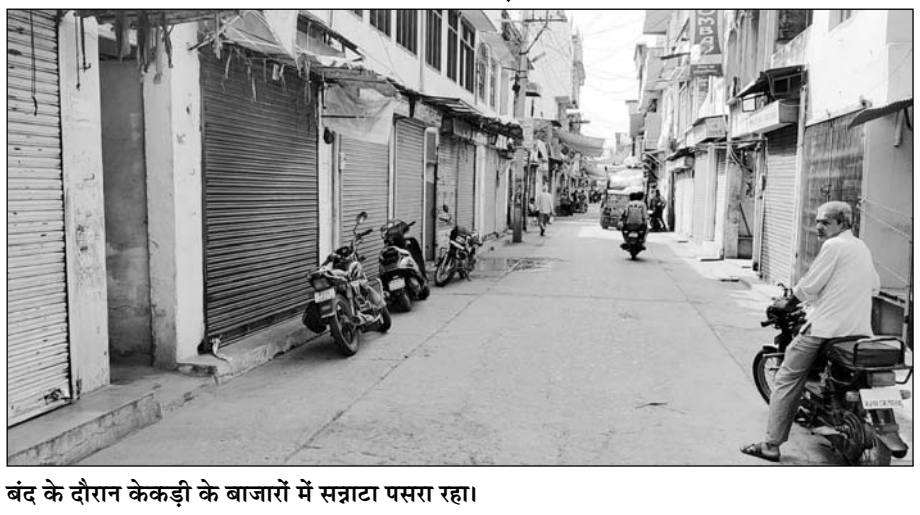

बंद के दौरान केकड़ी के बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा।

इस मौके पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामअवतार मीणा के नेतृत्व में अधिवक्ताओ के दल ने बाजारों में घूम-घूम कर आमजन को बंद में सहयोग देने की अपील की। इस मौके पर एसडीएम कार्यालय के बाहर दिया जा रहा धरना प्रदर्शन भी जारी रहा और पूर्ण न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया गया। बार एसोसिएशन ने शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का भी बहिष्कार किया। जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामअवतार मीणा ने बताया कि जिले को हटाने को लेकर लगातार मिल रहे संकेतो के बाद से ही केकड़ी जनता खासी नाराज है, लोगों में आक्रोश व्याप्त है। सरकार ने केकड़ीवासियों को अब तक आश्वस्त नहीं किया है कि सरकार केकड़ी जिले से छेड़छाड़ नहीं करेगी तथा जिले को यथावत रखेगी जिस कारण लोगों में नाराजगी लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की इस चुप्पी और उदासीन रवैये को देखते हुए रविवार को भी केकड़ी बंद का आव्हान किया गया है। सरकार ने जल्दी ही जिले के मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट नहीं किया तो आंदोलन को और अधिक उग्र किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

इस मौके पर बड़ी संख्या में जिला बार एसासेसिएशन के अधिवक्तागण मौजूद रहे। जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर अधिवक्ताओं ने लगातार चौथे दिन भी पेनडाउन हड़ताल रखी तथा उपखण्ड कार्यालय के बाहर धरना दिया। बार अध्यक्ष रामावतार मीणा ने बताया कि रविवार को भी केकड़ी बंद रखा जायेगा सरकार अगर फिर भी ठोस आश्वासन नहीं देती है रविवार को आगे की रणनीति बनाकर आन्दोलन को और तेज किया जायेगा। उन्होंने कहा कि केकड़ी जिले से छेडछाड हरगिज बर्दाश्त नहीं की जायेगी, अगर सरकार ने केकड़ी से जिले का दर्जा छिनने का प्रयास किया तो सरकार को इसके बुरे परिणाम भुगतने होंगे। धरना प्रदर्शन के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता मदनगोपाल चौधरी, हेमन्त जैन, गजराज सिंह राठौड़, हेमराज कानावत, भूपेन्द्र सिंह, अर्जुन सिंह शक्तावत, शिवप्रकाश चौधरी आदि मौजूद थे।

इधर जिला बचाओ समिति के संयोजक राम ावतार सिखवाल के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट के बाहर चल रहा धरना प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा। धरने में विभिन्न संगठनों के लोगों ने शामिल होकर अपना समर्थन दिया। इस मौके पर अभियान संयोजक रामवतार सिखवाल, अध्यक्ष रणजीत सिंह केसावत, केकड़ी तहसील अध्यक्ष नन्दलाल गुर्जर, भागचन्द जाट, मोहनलाल बाथरा, रामप्रसाद उपाध्याय, सत्यनारायण चौधरी, बद्रीलाल गुर्जर, छोटूलाल राव, भागचन्द जाट जगरी, सलीम पेंटर, गणेश सेन, मुकेश विजय, रितेश जोशी आदि मौजूद थे। वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय कोर्डिनेटर सुमेर सिंह चारण ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र भेजकर केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग की है।